नवभारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

अंतिम व्यक्ति तक जन लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता

1 पीएम के नेतृत्व में देश लिख रहा सुशासन का नया अध्याय

2 जबलपुर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी कई विकस की सौगातें

जबलपुर, 1 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा सुशासन और जनकल्याण का नया अध्याय लिख रहा है और मध्यप्रदेश सरकार उसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है.

नि:शुल्क राशन, पक्के आवास, हर घर नल से जल, शौचालय, आयुष्मान भारत योजना, स्वरोजगार और स्ट्रीट वेंडर्स को ऋ ण जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है. ये सारी बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर में घंटाघर स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं. इस दौरान मुख्यमंत्री ने 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अमृत 1.0 सीवेज परियोजना और कठौंदा, ललपुर व तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया. सिविल लाइन में आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री की सौगात दी. वहीं गुरंदी में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने नए पक्के मत्स्य विक्रय केन्द्र का लोकार्पण किया.

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जबलपुर के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं. उन्होंने घोषणा की कि जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा. उन्होंने अधिकारियों को एक वर्ष के भीतर इसका विस्तृत प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए.

डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर स्थित मेडिकल विश्वविद्यालय को भविष्य में एम्स की तर्ज पर विकसित किया जाएगा जिससे महाकौशल क्षेत्र को विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी. वहीं पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मदन महल क्षेत्र में आधुनिक प्राणी उद्यान ;जू एवं रेस्क्यू सेंटर विकसित किया जाएगा. इसके साथ ही जबलपुर में फ र्नीचर क्लस्टर स्थापित कर स्थानीय कारीगरों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना तथा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी भूमि उपलब्ध होने पर ऐसे विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की.

मछुआरा समाज के लिए भी अवसर उपलब्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल अधोसंरचना का विकास करना नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार लाना है. इसी सोच के तहत रजक समाज के लिए आधुनिक लॉन्ड्री परिसर और मछुआरा समाज के लिए अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र विकसित किए गए हैं जिससे संबंधित समुदायों को बेहतर कार्य वातावरण, स्वच्छता और आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे.

कोल्ड्रिफ कफ सीरप कांड की आरोपी ज्योति को जमानत

271 दिन बाद कोर्ट ने की जमानत मंजूर

छिंदवाड़ा, 1 अगस्त. परासिया के बहुचर्चित कोल्ड्रिफ जहरीली कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल 'अपना मेडिकल स्टोर' की प्रोपराइटर ज्योति सोनी को करीब 271 दिन बाद जमानत मिल गई है.

शुक्रवार को न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली, जिसके बाद जेल से उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई. वर्ष 2025 में परासिया क्षेत्र में कथित रूप से जहरीली कोल्डरिफ कफ सिरप पीने के बाद कई मासूम बच्चों की मौत हो गई थी. इस घटना ने पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा वितरण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे. मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन कर विस्तृत जांच के आदेश दिए थे. तीन नवंबर 2025 को ज्योति सोनी को गिरफ्तार किया था. जांच एजेंसी के अनुसार, गिरफ्तारी से पहले वह लंबे समय तक फरार रहीं. गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था. लगभग नौ महीने तक जेल में रहने के बाद अब उन्हें जमानत मिल गई है.

15 करोड़ के लोन का झांसा देकर कारोबारी से डेढ़ करोड़ की ठगी

नव भारत न्यूज

इंदौर, 1 अगस्त. बड़े कारोबारियों को आसान शर्तों पर बिजनेस लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का नया मामला सामने आया है. जांच में पता चला है कि इसी नेटवर्क ने इंदौर के एक रोड कंस्ट्रक्शन कारोबारी से 15 करोड़ रुपए का लोन मंजूर कराने के नाम पर डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक की राशि ले ली.

साइबर गिरोह का नेटवर्क खंगाल रही जांच एजेंसियां

जांच में सामने आया है कि ठगों ने कारोबारी को लोन की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर प्रोसेसिंग फीस, एडवांस ब्याज, एनओसी और अन्य खर्चों का हवाला देकर अलग अलग समय पर रकम जमा कराई. इसके बाद भी जब लोन नहीं मिला तो कारोबारी को ठगी का अहसास हुआ. पीड़ित कारोबारी के वकील रोहित जैन ने पुलिस को बताया कि गिरोह ऐसे लोगों को निशाना बनाता था, जिन्हें बड़े लोन की जरूरत होती थी. आरोपियों ने वीडियो कॉल के जरिए नकदी से भरे कार्टन दिखाकर कारोबारी को भरोसा दिलाया कि लोन की राशि तैयार है और कुछ औपचारिकताएं पूरी होते ही रकम जारी कर दी जाएगी. आरोप है कि गिरोह ने कुछ समय के लिए कारोबारी का मोबाइल भी अपने कब्जे में लिया और उसमें मौजूद दस्तावेज, ई मेल सहित अन्य जानकारी हासिल की. इसके बाद कुछ ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए, जिन पर कारोबारी ने हस्ताक्षर नहीं किए थे.

हांगकांग के दुर्लभ चांदी के सिक्के ले उड़े चोर

■ सूने मकान का सेंट्रल लॉक तोड़कर चोरी ■ पीड़ित शुभम जैन पारिवारिक कार्य से बड़ोदरा गए थे

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 1 अगस्त. संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के गंगानगर में शातिर चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया. चोरों ने मकान के मुख्य दरवाजे की चौखट उखाड़कर सेंट्रल लॉक तोड़ा और अंदर प्रवेश किया.

इसके बाद अलमारी का लॉकर तोड़कर नगदी सहित चांदी के कीमती सिक्के चोरी कर ले गए. चोरी गए सिक्कों में हांगकांग देश के दुर्लभ और अनोखी डिजाइन वाले चांदी के सिक्के भी शामिल हैं. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. पीड़ित ने पुलिस को बताया कि चोरी गए सिक्कों में पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले चांदी के सिक्कों के साथ शादी में उपहार के रूप में मिले सिक्के भी शामिल हैं. इनमें कुछ सिक्के हांगकांग के हैं, जो अपनी अलग बनावट और डिजाइन के कारण काफी दुर्लभ माने जाते हैं. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके.

पुलिस के अनुसार घटनाक्रम

पुलिस के अनुसार गजरथ नगर गंगानगर निवासी 30 वर्षीय शुभम कुमार जैन पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुजरात के बड़ौदरा गए हुए थे. उनकी पत्नी पहले से ही मायके में थीं, जिसके चलते मकान पूरी तरह सूना था. इसी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया. शुभम जब वापस जबलपुर पहुंचे तो घर का हाल देखकर हैरान रह गए. पोर्च का ताला खोलने के बाद उन्हें मुख्य दरवाजे का सेंट्रल लॉक और लकड़ी की चौखट टूटी हुई मिली. घर के अंदर लाइटें जल रही थीं और सामान बिखरा पड़ा था. चोरों ने बेडरूम में रखी अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखी नगदी और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए.

हाईकोर्ट ने कहा महिला को अदालत में पेश करे पुलिस

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 1 अगस्त. पति के द्वारा हाईकोर्ट में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया है कि उसकी पत्नी का मायके पक्ष वालो ने अपहरण कर लिया है. मायके पक्ष के लोग उसके बंधक बनाकर रखे हुए है.

हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने पुलिस को निर्देशित किया है कि वह महिला को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें. मैहर जिले के उदयपुर निवासी रोहित कुमार चैधरी की तरफ से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि उनसे मई माह में प्रेम विवाह किया था. प्रेम विवाह करने के कारण पत्नी के मायके पक्ष नाराज थे और पुलिस के माध्यम से उन्हें तथा परिजनों को प्रताड़ित करवाते थे. जिसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस व जिला प्रशासन को सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में आवश्यकता अनुसार निर्णय लेने के आदेश जारी किये थे.

एक नजर में

यौन उत्पीड़न का मुद्दा उठा तो वापस ली याचिका

जबलपुर. सरकारी कार्यालयों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण कानून के तहत समितियों के गठन की मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी संजीव कुमार मेहरा को अपनी जनहित याचिका वापस लेनी पड़ी. दरअसल सुनवाई के दौरान बोर्ड की ओर से याचिकाकर्ता के खिलाफ एक महिला कर्मचारी द्वारा पूर्व में की गई यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत का मुद्दा उठाया गया. इसके बाद युगलपीठ के रुख को देखते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी गई.

वाटरफॉल में डूबने से युवक की मौत

छिंदवाड़ा. थाना मोहखेड़ के अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुकड़ीखापा वाटरफॉल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई. सूचना पर कुकड़ीखापा पहुंची होमगार्ड की रेस्क्यू टीम ने कड़े परिश्रम के बाद युवक के शव को बरामद कर लिया है. थाना चांद के ग्राम भाजीपानी निवासी राहुल पिता गलित बरकड़े 22 वर्ष कुकड़ीखापा वाटरफॉल गया था तब अचानक वह वाटर फॉल में गिर गया और गहरे पानी में जाकर डूब गया. युवक को डूबता देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को इस बात की सूचना दी.

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को शीघ्र शुरू कराएं : शुक्ल

नवभारत न्यूज

रीवा, 1 अगस्त, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नगर निगम में चल रहे सीवरेज निर्माण कार्यों की समीक्षा की. उप मुख्यमंत्री ने जयंतीकुंज सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सुधार कार्य का निरीक्षण किया. मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जयंतीकुंज एसटीपी का सुधार कार्य तत्काल शुरू करें.

इस 12 एमएलडी क्षमता के प्लांट से 10 हजार से अधिक घरों से आने वाले गंदे पानी को साफ किया जायेगा. इसे चालू करने के लिए पुरानी मशीनों के स्थान पर नई मशीनें लगाये. आवश्यक सिविल वर्क भी तत्काल शुरू कर दें. इसका निर्माण कार्य नवम्बर माह तक पूरा कराके इसे शुरू करायें. सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के शुरू हो जाने से नगर की बड़ी आवादी को लाभ मिलेगा. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीपी के सुधार कार्य के साथ-साथ लगभग 10 हजार घरों का सीवर लाइन से कनेक्शन का कार्य भी अक्टूबर माह तक पूरा करा लें जिससे प्लांट शुरू होते ही सीवरेज की सफाई का कार्य शुरू हो जाय. सीवरेज लाइन निर्माण के लिए खोदी गई सडक़ों में सुधार कार्य तत्परता से करायें. चिरहुला मंदिर रोड, गोविंदगढ़ रोड तथा पीटीएस रोड में सुधार कार्य तत्काल शुरू करें.

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

इनका कहना है....

बैठक में बताया कि खराब मशीनों को बदलने का कार्य शुरू हो गया है. सिविल वर्क 15 दिन में शुरू कर दिया जायेगा. नवम्बर माह तक जयंतीकुंज एसटीपी के सुधार का कार्य पूरा हो जायेगा. सडक़ों के सुधार का कार्य लगातार किया जा रहा है. घरों से सीवर लाइन में घरों से कनेक्शन तथा मुख्य सीवर लाइन से गलियों की लाइन से जोडऩे का कार्य तेजी से किया जा रहा है. बैठक में नगर निगम के कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

राम मंदिर में चंदा चोरी मामले में भड़की कांग्रेस

भाजपा कार्यालय के घेराव का प्रयास

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 1 अगस्त. राममंदिर में चंदा चोरी पर जबलपुर के भाजपा के सांसद, विधायक, पार्षद, महापौर की चुप्पी के खिलाफ शनिवार को कांग्रेस भड़क उठी.

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगातार हो रहे पेपर लीक, बढ़ती बेरोज़गारी, महंगाई, भ्रष्टाचार तथा जनसरोकारों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया. प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं ने हाथों में डमरू, थाली, झंडे और ताली बजाकर पैदल मार्च किया. इस दौरान बड़ी संख्या में रानीताल में एकत्रित हुए कांग्रेसियों ने भाजपा कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया. लेकिन मौके पर पहले से मौजूद पुलिस बल ने बैरिकेडिंग लगाई और कांग्रेसियों को रोकने का प्रयास किया. जानकारी के अनुसार पुलिस की बैरिकेडिंग को कांग्रेसियों ने जब तोड़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग कर भीड़ को तितर बितर कर दिया. प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों के हाथों में भाजपा चंदा चोरी का हिसाब दो के पोस्टर थे.

सत्ता में बैठने का नहीं है कोई अधिकार

इस दौरान आक्रोशित कांग्रेसियों ने कहा कि आरएसएस, बजरंग दल और भाजपा के नेता अपने आप को हिंदू धर्म का ठेकेदार बताते हैं और जब राम मंदिर में दो हजार करोड़ चंदा चोरी होने की बात सामने आई तो उसमें सभी ने अपने मुंह बंद किए हैं. क्योंकि कहीं न कहीं भाजपा, आरएसएस के नेता इसमें शामिल हैं. जबलपुर में बैठे भाजपा के विधायक, मंत्री पार्षद अगर इस मामले में चुप हैं तो उन्हें सत्ता में बैठने का कोई अधिकार नहीं है. इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, विजय रजक, सतीश तिवारी, सरबजीत सिंह रील, झल्ले लाल जैन, मनीष चंसोरिया, तेज कुमार भगत, राजेश सोनकर, संजय बघेल, गुड्डू तामसेतवर, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

अनियंत्रित हुए ट्रैक्टर के पलटने से इलाज के दौरान चालक की मौत

नवभारत न्यूज

दमोह, 1 अगस्त. पटना खुर्द के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से सवार चालक की मौत हो गई. बताया गया कि हादसे में गंभीर चालक को इलाज के लिए शनिवार दोपहर परिजन दमोह जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे.

जहां डॉक्टर मधुर चौधरी ने चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया.प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बहादुर पिता रामलाल बंसल, उम्र 48 वर्ष, निवासी पटना खुर्द थाना नोहटा बताया गया है. परिजनों में पुत्र लखन ने बताया कि पिता बहादुर ट्रैक्टर की सर्विसिंग कराने के लिए दमोह आए थे. सर्विसिंग होने के बाद जब वे ट्रैक्टर लेकर वापस घर जा रहे थे, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारदी जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए. परिजनों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी.

दो घंटे तक लिफ्ट में कैद रहे चार लोग

शुजालपुर. शुजालपुर मंडी स्थित सिविल अस्पताल में शनिवार दोपहर लिफ्ट की तकनीकी खराबी के कारण चार लोग करीब दो घंटे तक उसके भीतर फं से रहे. घटना के बाद अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए अफ रा-तफ री का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और तकनीकी टीम की सहायता से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया, एहतियात के तौर पर लिफ्ट को फिलहाल बंद कर दिया गया है. ग्राम निशाना निवासी चंद्रपाल सिंह सिसोदिया बुखार से पीड़ित पुत्री को लेकर अस्पताल पहुंचे थे.

मौलाना की कथित टिप्पणी पर कार्रवाई की उठी मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर, 1 अगस्त. सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मौलाना की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शनिवार को चंदन नगर थाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया.

राष्ट्रीय बलाई समाज के अध्यक्ष मनोज परमार कांवड़ियों और अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी. प्रदर्शन के दौरान थाने के बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए वायरल वीडियो में की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई. प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि वीडियो में की गई टिप्पणी से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं. उन्होंने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की.

मामले की सूचना मिलने पर एसीपी शिवेंदु जोशी सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर उनकी शिकायत सुनी और मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया. इसके बाद मनोज परमार ने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपा. अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता और उसमें किए गए दावों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

शिकायत और वीडियो की जांच जारी

एसीपी शिवेंदु जोशी ने बताया कि मामले में लिखित शिकायत प्राप्त हुई है. शिकायत और वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है. जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

अवमानना | एजी ने मांगी जानकारी, दो माह बाद भी विभागों ने नहीं भेजी

महालेखाकार को गंभीरता से नहीं लेते सरकारी विभाग

कन्हैया लोधी

भोपाल, 1 अगस्त. लगता है कि प्रदेश के महालेखाकार को राज्य के विभाग ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते. इसकी बानगी ये है कि एजी ने वित्तीय वर्ष 2025-25 की अवधि के वित्त लेखे तैयार करने के लिए विभागों ने जो जानकारी 10 जून को मांगी थी, वह जानकारी बीते 10 जुलाई तक भी नहीं भेजी गई थी, ऐसे में एजी ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिख दिया है.

सीएस पत्र लिखने के बाद जागा प्रशासन

पत्र मिलने के बाद वित्त विभाग ने सभी विभागों को इस मामले में नसीहत देते हुए जानकारी भेजने की डेडलाइन भी तय कर दी है. दरअसल वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि तक की जानकारी 31 मार्च 2026 तक की स्थिति में दिया जाना है. लेकिन विभागों की ओर से वित्त लेखों की जानकारी नहीं मिलने से एजी ये जानकारी तैयार करने में लगातार देरी हो रही है. ये जानकारी देने के लिए महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर ने बाकायदा प्रारूप तैयार किया है, उसी प्रारूप में यह जानकारी देना था. ऐसे में वित्त विभाग ने सभी विभागों को जो पत्र लिखा है उसमें साफ किया है कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय के निर्देशों के मुताबिक जो जानकारियां वित्त लेखे में शामिल किया जाना चाहिए, उसमें से कुछ जानकारियां तो बजट एवं मासिल सिविल लेखाओं के रूप में मप्र सरकार से इस कार्यालय को प्राप्त हो जाती है. कुछ जानकारियां अलग से मप्र शासन से अपेक्षित होंगी. इसलिए ये जानकारी एजी कार्यालय को उपलब्ध कराया जाना है. एजी ने सरकार द्वारा विभिन्न संस्थानों को वस्तु रूप में दिए गए सहायक अनुदान की भी जानकारी विभागों से मांगी है. इसी तरह सिंचाई परियोजनाओं के वित्तीय परिणाम, विद्युत योजनाओं के वित्तीय परिणाम, अपूर्ण कार्यों की सूची, वर्ष के दौरान दिए गए नए ऋण और अग्रिम की जानकारी, निरंतर ऋण के रूप में स्वीकृत ऋणों के प्रकरण एवं ऋणों के बकाया पुनर्भुगतान के सारांश की जानकारी भी देना होगा.

बताना होगा बजट से बाहर की कितनी देनदारियां

एजी कार्यालय ने विभागों के जो प्रारूप तय किया है उसके मुताबिक विभागों को ये बताना होगा कि बजट से बाहर की कितनी देनदारियां है. इसी तरह शासकीय लेखा के बाहर निधियों के संचालन की जानकारी भी देना होगा. ये भी बताना होगा कि बैंक खातों में कितनी राशि जमा है. पंचायती राज संस्थाओं को दिये अनुदान की राशि का भी पूरा ब्यौरा देना होगा. इसी तरह एन्यूटी परियोजनाओं के अलावा अन्य जन निजी भागीदारी के तहत निवेश की गई राशि का भी हिसाब देना होगा. सरकार द्वसरा बजट में प्रस्तावित की गई योजनाओं पर लिए गए नीतिगत निर्णयों का भविष्य के नगद प्रवाह पर प्रभाव से संबंधित जानकारी भी देना होगा.

अंकसूची की बड़ी त्रुटि सुधरी, 15 हजार विद्यार्थियों को मिली राहत

विशेष संवाददाता

भोपाल, 1 अगस्त. माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश ने कक्षा 10वीं और 12वीं के लगभग 15 हजार विद्यार्थियों की अंकसूचियों में हुई गंभीर त्रुटि को सुधारते हुए उन्हें 'प्राइवेट/स्वाध्यायी परीक्षार्थी' के स्थान पर 'नियमित विद्यार्थी' के रूप में दर्ज कर दिया है. इस निर्णय से हजारों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है.

यह मामला मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव अनिकेत द्विवेदी द्वारा प्रमुखता से उठाया गया था. उन्होंने मुख्य सचिव तथा स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष इस त्रुटि को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहा था कि गलत वर्गीकरण के कारण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्तियों तथा रोजगार के अवसरों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है.

लगातार किए गए प्रतिनिधित्व के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल ने रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन करते हुए प्रभावित विद्यार्थियों की श्रेणी को नियमित विद्यार्थी के रूप में बहाल कर दिया. निर्णय का स्वागत करते हुए अनिकेत द्विवेदी ने इसे विद्यार्थियों के अधिकारों की जीत बताया. उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी त्रुटियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस आगे भी विद्यार्थियों और समाज के अन्य वर्गों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी.